रचा है श्रष्टि को ष्टिस प्रभु ने - भिन

रचा है श्रष्टि को ष्टिस प्रभु ने - भिन
रचा है श्रष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
रचा है श्रष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है,
िो पेड़ हमने लगाया पहले,
उसी का फल हम अब पा रहे है,
रचा है सृष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है।।
इसी धरा से शरीर पाए,
इसी धरा में ष्टफर सब समाए,
है सत्य ष्टनयम यही धरा का,
है सत्य ष्टनयम यही धरा का,
एक आ रहे है एक ि रहे है,
रचा है सृष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है।।
ष्टिन्होने भेि ि गत में ि ाना,
तय कर ष्टिया लौट केष्टफर से आना,
िो भेिने वाले है यहाँ पे,
िो भेिने वाले है यहाँ पे,
वही तो वापस बुला रहे है,
रचा है सृष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है।।

बैठे है िो धान की बाष्टलयो में,
समाए मेहंि ी की लाष्टलयो में,
हर डाल हर पत्ते में समाकर,
हर डाल हर पत्ते में समाकर,
गुल रंग ष्टबरंगे खिला रहे है,
रचा है सृष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है।।
रचा है श्रष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है,
िो पेड़ हमने लगाया पहले,
उसी का फल हम अब पा रहे है,
रचा है सृष्टि को ष्टिस प्रभु ने,
वही ये श्रष्टि चला रहे है।।

Racha Hai Shrshti Ko Jis Prbhu Ne - Bhajan

Racha Hai Shrshti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai,
Jo Ped Hamane Lagaaya Pahale,
Usi Ka Phal Ham Ab Pa Rahe Hai,
Racha Hai Sarashti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai
Isi Dhara Se Shareer Paae,
Isi Dhara Me Phir Sab Samaae,
Hai Saty Niyam Yahi Dhara Ka,
Ek A Rahe Hai Ek Ja Rahe Hai,
Racha Hai Sarashti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai
Jinhone Bheja Jagat Me Jaana,
Tay Kar Diya Laut Ke Phir Se Aana,
Jo Bhejane Vaale Hai Yahaan Pe,
Vahi To Vaapas Bula Rahe Hai,
Racha Hai Sarashti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai
Baithe Hai Jo Dhaan Ki Baaliyo Me,
Samaae Mehandi Ki Laaliyo Me,
Har Daal Har Patte Me Samaakar,
Gul Rang Birange Khila Rahe Hai,
Racha Hai Sarashti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai

Racha Hai Shrshti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai,
Jo Ped Hamane Lagaaya Pahale,
Usi Ka Phal Ham Ab Pa Rahe Hai,
Racha Hai Sarashti Ko Jis Prbhu Ne,
Vahi Ye Shrshti Chala Rahe Hai.